वाचन के रूप तथा अवसर

वाचन के निम्नलिखित रूप

- पाठ्यपुस्तक के साथ
- लिखित कार्य के साथ
- वार्त्तालाप
- कहानी
- चित्र रचना
- भाषण
- संवाद
- वाद - विवाद प्रतियोगिता
- अभिनय एवं कथोप - कथन
- दूरदर्शन
- टैलीफोन वार्ता
- बालोपयोगी चल चित्र
- बाल सभा
- महान पुरुषो के भाषणों का अनुकरण
- कविता पाठ प्राथमिक स्तर पर
- भाषण तथा विचार विमर्श

वाचन के रूप तथा अवसर

प्राथमिक तथा पूर्व प्राथमिक स्तर पर वाचन की क्रियाओं का अधिक उपयोग किया जाता है। जैसे-जैसे माध्यमिक और उच्चमाध्यमिक स्तर की ओर बढ़ते जाते हैं, पाठ्यवस्तु, भाषा एवं शैली में उत्तरोत्तर परिष्कार तथा गम्भीरता बढ़ती जाती है।

प्राथमिक स्तर पर बालको की भाव-अभिव्यक्ति की क्षमता, शब्दावली, अर्थ बोध की क्षमता कम होती है। उच्च स्तर पर पाठ्यवस्तु में व्यापकता भी आती है।

इस प्रकार वाचन के निम्नांकित रूप हैं—

a पाठ्यपुस्तक के साथ – पाठ्यपुस्तक पढ़ाते समय वाचन अथवा मौखिक आत्मप्रकाशन हेतु पर्याप्त समय मिलता है। विषय की व्याख्या, प्रश्नोत्तर, सारांश, कथन, शब्दप्रयोग तथा वाक्य रचना से छात्रों को वाचन का प्रशिक्षण मिलता है।

b लिखित कार्य के साथ – लिखित कार्यों के पहले प्रकरण पर परिचर्चा, विचार विमर्श, विषय-सामग्री चयन में भी अधिक समय मिल जाता है।

c वार्त्तालाप – वार्त्तालाप बालकों में स्वतन्त्र रूप से वार्तालाप की सामान्य योग्यता आती है। इसका परिवार में, साथियों में अधिक अवसर मिलता है। अपनी सामान्य आयु के बालको में वार्त्तालाप से भी सीखते हैं।

d कहानी – कहानी वाचन व मौखिक रचना का रोचक तथा लोकप्रिय साधन है। छोटे बालक कहानी सुनने तथा उनका अनुकरण करने में अधिक रुचि लेते हैं क्योंकि उनका मनोरंजन होता है। शिक्षक भी कहानी विधि का प्रयोग छोटे बालकों के लिए करता है।

e चित्र रचना – इसके आधार पर मौखिक आत्मप्रकाशन का अवसर तथा अभ्यास किया जाता है। छोटे बच्चे चित्र बनाने में अधिक रुचि लेते हैं। इसमें उनकी क्रियाशीलता को अधिक अवसर मिलता है। चित्रों की सहायता से विषयवस्तु का वर्णन करने का अवसर मिलता है। भाव-प्रधान चित्रों के आधार पर भी कहानी कहने का अवसर दिया जाता है।

F. भाषण

G. संवाद

H. वाद-विवाद प्रतियोगिता – वाचन की शिक्षा दृष्टि से अधिक उपयोग है। छात्र अभिनय में स्वयं भाग लेते है और उसकी पूर्व तैयारी भी करते हैं।

I. अभिनय एवं कथोप-कथन – अभिनय में भी बालक अधिक रुचि लेते हैं। इसमें भी मौखिक अभिव्यक्ति को अच्छा अवसर मिलता है। बालकों का मनोरंजन ~~तथा~~ तथा मनोविनोद भी होता है।

J. दूरदर्शन

K. टेलीफोन वार्ता

L. बाल-सभा

M. महान पुरुषो के भाषणों का अनुकरण आदि।

N. कविता पाठ प्राथमिक स्तर पर ~~भी~~ कविता पाठ वाचन के लिए प्रधान विधा है तथा उत्तम अवसर है। कविता पाठ से रागात्मक क्षमताओं का विकास होता है। हृदय के भाव, संवेग तथा अनुभूतियों को वाचन से व्यक्त किया जाता है।

O. भाषण तथा विचार-विमर्श दूरदर्शन के कार्यक्रमों का प्रदर्शन, टेलीफोन वार्ता, बाल-सभा में छात्रो को मौखिक अभिव्यक्ति का अवसर मिलता है और वाचन का प्रशिक्षण भी होता है।

निष्कर्ष,

बच्चे कक्षा-कक्ष में प्रवेश करने से पहले अपनी भाषायी क्षमता के साथ प्रवेश लेते है, लेकिन यह क्षमता अनौपचारिक होता है। और कक्षा-कक्ष में प्राथमिक स्तर (I-V) तक के विधार्थियों को औपचारिक भाषा का वाचन के रूप तथा अवसर दिया जाता है। जैसे- भाषण, अभिनय, वार्तालाप, कहानी, वाद-विवाद प्रतियोगिता, बाल सभा।